दैनिक जागरण
23-11-2017

फेस्टिवल में वो फिल्में दिखेंगी, जो आपको पर्दे, टीवी या यूट्यूब पर नहीं मिलेंगी

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा में अच्छा सिनेमा देखने वालों के लिए जमीन तैयार करनी है, ताकि हरियाणवी सिनेमा को बढ़ावा दिया जा सके। हरियाणा में अच्छे आर्टिस्ट हैं, जो बिखरे हुए हैं, उन्हें इकट्ठा करना है और प्रदेशवासियों को वो अच्छी फिल्में दिखानी हैं, जो अब परदे, टीवी या यूट्यूब आदि पर नहीं देखी जा सकतीं।

इसी मकसद से हम दूसरा हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल लेकर आए हैं। यह बात बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा कही। वे बुधवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह, बॉलीवुड फिल्म निर्देशक अश्वनी चौधरी, बॉलीवुड एक्टर अखिलेंद्र मिश्रा, फेस्टिवल के मुख्य संयोजक धर्मेंद्र ढांगी आदि मौजूद रहे। ये फेस्टिवल संस्कृति सोसायटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलेपमेंट एवं एचएयू के तत्वावधान में आयोजित करवाया जा रहा है।

पत्रकारों से बातचीत करते अभिनेता यशपाल शर्मा, कुलपति केपी सिंह व अन्य।

सतीश कौशिक को ओमपुरी अवॉर्ड

यशपाल शर्मा ने बताया कि फिल्म फेस्टिवल 7 से 10 दिसंबर तक हकृवि के इंदिरा गांधी सभागार में होगा। फेस्टिवल में 9 देशों की 12 भाषाओं की कुल 29 चुनिंदा फिल्में दिखाई जाएंगी। इनमें से 14 फीचर फिल्में, 13 शार्ट फिल्में, एक डॉक्युमेंट्री और एक एनीमेशन फिल्म होगी। 7 दिसंबर को सांस्कृतिक समारोह के साथ ओपनिंग सेरेमनी होगी और 10 दिसंबर को अवॉर्ड सेरेमनी होगी। जिसमें बॉलीवूड कलाकार सतीश कौशिक को ओमपुरी अवॉर्ड और जनार्धन शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा जाएगा।

अच्छी चीजें ले लेता है हरियाणा : केपी सिंह

एचएयू के कुलपति ने कहा कि हरियाणा के लोग अच्छी चीजें तुरंत ले लेते हैं। अगर उन्हें अच्छा और उनसे जुड़ा हुआ सिनेमा दिखाया जाए तो वे जरूर देखेंगे। वे अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों व महिलाओं को भी कृषि से जुड़ी फिल्में दिखाएंगे।

मास्टर क्लास सिनेमा के एक्टर-निर्देशक भी आएंगे

: फेस्टिवल संयोजक धर्मेंद्र ढांगी ने बताया कि फेस्टिवल में चार गेस्ट फिल्में दिखाई जाएंगी। इन फिल्मों के लिए फिल्मों के निर्देशक व एक्टर या एक्ट्रेस भी आएंगे। दर्शक उनसे सवाल जवाब कर सकेंगे। इन चार फिल्मों को कुल छह फिल्मों से सलेक्ट किया जाएगा। इन छह फिल्मों में सुधीर मिश्रा की धारावी, अश्विनी चौधरी की धूप, हंसल मेहता की अलीगढ़, महेश मांजरेकर की नट सम्राट, चंद्रप्रकाश द्विवेदी की पिंजर और सागर सरहदी की बाजार फिल्म शामिल हैं। इनमें से चार फिल्मों के निर्देशकों के अलावा एक्टर भी कार्यक्रम में मौजूद होंगे। जिनमें नाना पाटेकर, मनोज बाजपेयी, मेघना मलिक, संजय कुमार, पंडित जसराज आदि शामिल हैं। बॉलीवुड के फिल्म निर्देशक अश्विनी चौधरी ने कहा कि सिनेमा बनाना ही नहीं बल्कि देखना भी एक बहुत बड़ी कला है। हमें हरियाणा में वर्ल्ड क्लास सिनेमा का अनावरण करना है। यहां बड़ी फिल्में भी अच्छा काम नहीं कर पाती।

The Tribune

23-11-2017

Haryana International Film Festival from Dec 7

HISAR, NOVEMBER 22

The four-day third Haryana International Film Festival will be held at HAU here from December 7. While announcing the schedule of the festival, Bollywood actor Ashwani Yashpal Sharma said that 14 feature films, 13 short films, an animation movie and a documentary would be screened at the festival. Apart from this, movies from nine countries in 12 different languages would be screened. He said that leading actors and directors of the film would participate in the festival.

Addressing mediapersons film director Ashwani Choudhary condemned the attacks on 'Padmavati' director Sanjay Leela Bhansali and actress Deepika Padukone. He said, "It is unfortunate that a director is being issued threats like beheading for making a film within the parameters of the Central Board of Film Certification and the persons." — TNS

दैनिक जागरण

23-11-2017

एचएयू के पांच विद्यार्थियों का सोनालिका कंपनी में हुआ चयन

चयनित विद्यार्थी कालेज के डीन डॉ. बीएस झोरड़ तथा अन्य अधिकारियों के साथ।

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग के 5 विद्यार्थियों का कैंपस इंटरव्यू में चयन हुआ है। कॉलेज के कोर्डिनेटर डा. मुकेश जैन और डा. डीके शर्मा ने बताया कि कैंपस इंटरव्यू में चुने गए विद्यार्थियों में सुरेन्द्र, मनीश कुमार, गुरविन्द्र सिंह बावा, दिनेश रहेजा तथा प्रणव कुमार शामिल हैं। जिनका फील्ड ऑफिसर ट्रेनी के रूप में सोनालिका ट्रैक्टर कंपनी में सलेक्शन हुआ है। इन विद्यार्थियों को तीन से पांच लाख रूपए का पैकेज मिला है।

पँजाब केसरी

23-11-2017

बेकरी व कंफैक्शनरी पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

हिसार, 22 नवम्बर (का.प्र.): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से अनुसूचित जाति की छात्राओं के लिए बेकरी एवं कंफैक्शनरी विषय पर आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजूएट स्टडीज की डीन आशा क्वात्रा मुख्य अतिथि थी। डा. आशा क्वात्रा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि खाद्य विज्ञान विषय एक ऐसा क्षेत्र है जो फसल की कटाई से शुरू होकर इसको पकाने तथा खपत के साथ सम्पन्न होता है। इसमें नए खाद्य उत्पादों का विकास, इनको तैयार करने की विधियां, पैकेजिंग मैटीरियल का चयन तथा शैल्फ-लाइफ अध्ययन के साथ-साथ सूक्ष्म जैवकीय तथा रासायनिक परीक्षणों से उत्पादों का संवेदी मूल्यांकन शामिल हैं। उन्होंने कहा हाल ही के वर्षों में लोगों में संसाधित भोजन की खपत तथा बाहर खाने की प्रवृत्ति में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिसके कारण खाद्य प्रसंस्करण उद्योग क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। इससे भारत और विदेश में इस क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे छात्र कल्याण निदेशालय के परामर्श एवं रोजगार प्रकोष्ठ द्वारा समय-समय पर आयोजित किए जाने वाले ऐसे प्रशिक्षणों में बढ़-चढ़कर भाग लें। इस अवसर पर डा. क्वात्रा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इससे पूर्व खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्षा डा. दीप पूनिया ने प्रशिक्षण के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। छात्र कल्याण निदेशालय में सह-निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने कहा कि छात्राएं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकती हैं। प्रशिक्षण समन्वयक डा. संगीता चहल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया तथा प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्य अतिथि प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र देते हुए तथा मुख्य अतिथि प्रशिक्षणार्थियों के साथ।

पँजाब केसरी
23-11-2017

पद्मावती कंट्रावर्सी के बीच हरियाणवी सिनेमा के लिए जमीन तैयार की कड़ी में होगा इंटरनैशनल फिल्म फैस्टीवल

12 भाषाओं में दिखाई जाएंगी 29 फिल्म

जनार्दन शर्मा को लाइफ टाइम एचीवमेंट व सतीश कौशिक को मिलेगा ओमपुरी अवार्ड

हिसार, 22 नवम्बर (सर्वेश): हरियाणवी सिनेमा के लिए जमीन तैयार करने की कड़ी में 7 से 10 दिसंबर तक यहां हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में हरियाणा इंटरनैशनल फिल्म फैस्टीवल का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान 9 देशों की 12 भाषाओं में कुल 29 फिल्में दिखाई जाएंगी।

बुधवार को यहां हकृवि के फैकल्टी क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा ने कहा कि उनके पास स्क्रीनिंग के लिए 183 फिल्में आई थी। जूरी द्वारा 29 फिल्मों का चयन किया गया है। इनमें 14 फीचर फिल्म, 13 शॉर्ट फिल्म, 1 डॉक्यूमेंटरी तथा 1 एनिमेशन फिल्म शामिल है। इसी दौरान जनार्दन शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड तथा सतीश कौशिक को दी बेस्ट कंट्रीब्यूशन ओमपुरी अवार्ड से नवाजा जाएगा।

यशपाल ने कहा कि सभी चाहते है कि एक ऐसा मंच तैयार हो जिस पर सभी इकट्ठे हो और अच्छा सिनेमा देखें। उन्होंने कहा कि फिल्म फेस्टिवल के दौरान उस सिनेमा को देखा जा सकेगा जो हम सोशल मीडिया व थिएटर में नहीं देख पाते है। पूर्व में बॉक्स ऑफिसर पर बुरी तरह फ्लॉप रही फिल्मों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पगड़ी आई सतरंगी भी आई लेकिन दर्शक सिनेमाघर में नहीं थे। हरियाणवी सिनेमा बंजर हुआ पड़ा था। दर्शकों को विश्वास नहीं होता कि हरियाणवी सिनेमा भी कुछ होता है। हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि एग्रीकल्चर की पृष्ठभूमि पर भी फिल्म बनाई जानी चाहिए। इस दौरान फिल्म फेस्टिवल के ऑर्गेनाइजर धर्मेंद्र डांगी, दिनेश गोयल, कमलजीत व कई अन्य भी मौजूद थे।

पत्रकार वार्ता के दौरान तमाम बॉलीवुड हस्तियों ने भाजपा सरकार पर अपना नजला उतारा। उन्होंने सरकार तथा करनी सेना पर भी तंज कसे। संजय लीला भंसाली तथा दीपिका पादुकोण को सरेआम दी जा रही धमकियों पर सरकार को कटघरे में भी खड़ा किया गया। इतना ही नहीं अश्विनी चौधरी ने सूबे के स्वास्थ्य एवं खेल मंत्री अनिल विज पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि वे फिल्म दिखाए जाने से रोकने वाले होते कौन है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए यशपाल शर्मा व अन्य। (नारंग)

सिनेमा देखना भी कला है : अश्विनी चौधरी

फिल्म फैस्टीवल में सिर्फ हरियाणवी ही नहीं बल्कि विश्व सिनेमा को दिखाने का प्रयास करेंगे। फिल्म निर्देशक अश्विनी चौधरी ने कहा कि अच्छा सिनेमा आईसोलेशन में नही पनप सकता। उसे सपोर्ट की जरूरत है। विडंबना है कि उसके लिए हरियाणा में जमीन तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि सिनेमा देखना भी एक कला है। सिनेमा पर बात होना बहुत जरूरी है। अच्छा सिनेमा देखते है तो सोच बदलती है। दर्शक फिल्म को देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि फिल्म के लिए भीड़ तब जुटती है जब उसकी कनेक्टिविटी बनती है। लोग सिनेमा से कट चुके है। जिस दिन हरियाणा के आदमी को लगेगा कि ये हमारी फिल्म है तो सिनेमा बड़ा बन जाएगा। जिस तरह राजनीति में भी लोग तय करते है कि किसे वोट डालना है उसी तरह लोग ही ये तय करते है कि हमें ये फिल्म देखनी है या नहीं। फिल्म निर्देशक अश्विनी चौधरी ने कहा कि हरियाणा सिनेमा पंजाब का मुकाबला नहीं कर सकता। क्योंकि हमारे पास भाषा नहीं है इसलिए हमारे पास साहित्य भी नहीं है। साहित्य के लिहाज से ही सिनेमा भी आगे बढ़ता है।

सिनेमा की जड़ में पानी की जरूरत : मिश्रा

बॉलीवुड एक्टर अखिलेंद्र मिश्रा ने कहा कि जरूरत है कि सिनेमा के जड़ में पानी दिया जाए। राज्य में अपना फिल्म फेस्टिवल हो तो ये संभव है। हमारा सिनेमा पूरी तरह पश्चिमी सिनेमा से प्रभावित हो रहा है। पश्चिमी सिनेमा अधिकारों का सिनेमा है जबकि हमारे यहां जिम्मेदारियों का सिनेमा रहता है। हर व्यक्ति अधिकार के लिए लड़ रहा है, जिम्मेदारी के लिए कोई तैयार नहीं है। मिश्रा ने कहा कि नई पीढ़ी को बताना पड़ेगा कि सिनेमा परपंराओं का विस्तार है। संस्कृति का प्रतिबिंब व समाज का दर्पण है। भूषा, भाषा और भोजन तीनों का नाश हो चुका है। नई पीढ़ी को जागरूक किया जाना जरूरी है।

अमर उजाला
23-11-2017

एचएयू में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सात दिसंबर से

तीन दिवसीय समारोह में दिखाई जाएंगी नौ देशों की 29 फिल्में

एचएयू में मीडिया से बातचीत करते अखिलेंद्र मिश्रा, यशपाल शर्मा, निदेशक अश्विनी चौधरी और कुलपति केपी सिंह।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

हरियाणवी सिनेमा को बढ़ावा देने के मकसद से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 7 से 10 दिसंबर तक हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। फेस्टिवल में नौ देशों की 12 भाषाओं में 29 फिल्में दिखाई जाएंगी।

बुधवार को एचएयू फैकल्टी क्लब में बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा, फिल्म निर्देशक अश्विनी चौधरी, अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा, कुलपति प्रो. केपी सिंह मीडिया से रूबरू हुए।

यशपाल शर्मा ने बताया कि फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाने वाली 29 फिल्मों का चयन स्क्रीनिंग के लिए आई 183 फिल्मों में से किया गया। फेस्टिवल को यादगार बनाने के लिए बॉलीवुड से कई बड़ी हस्तियों भी यहां पहुंचेगी। यशपाल शर्मा ने कहा कि पगड़ी और सतरंगी जैसी फिल्मों की सफलता के बाद हरियाणवी सिनेमा को नई संजीवनी मिली है।

पहले बार राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार हरियाणवी कलाकारों ने जीते। बंजर हो चुके हरियाणवी सिनेमा में जान फूंकने के लिए इस तरह के फिल्म फेस्टिवल बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं।

जनार्दन शर्मा और सतीश कौशिक को मिलेंगे अवॉर्ड

फेस्टिवल में इन फिल्मों के लिए सामाजिक संदेश देने वाली चार फिल्में भी दिखाई जाएंगी। फेस्टिवल में जनार्दन शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट और सतीश कौशिक को बेस्ट कंट्रीब्यूशन ओमपुरी अवॉर्ड दिया जाएगा।

इन कार्यक्रमों का भी होगा आयोजन

फेस्टिवल में फिल्मों के अलावा बुक फेयर, पेंटिंग प्रदर्शनी, पारंपरिक खानपान आदि का भी आयोजन होगा। संयोजक धर्मेंद्र ढांगी ने बताया कि फेस्टिवल में चार गेस्ट फिल्में दिखाई जाएंगी। इन फिल्मों के लिए फिल्मों के निर्देशक, एक्टर या एक्ट्रेस भी आएंगी। इनमें नाना पाटेकर, मनोज बाजपेयी, मेघना मलिक, संजय कुमार, पंडित जसराज आदि शामिल हैं।

हरियाणवी फिल्म के माध्यम से बढ़ानी होगी कनेक्टिविटी

फिल्म निर्देशक अश्विनी चौधरी ने कहा कि हरियाणा के लोगों को जब तक यह नहीं लगेगा कि यह फिल्म हमसे जुड़ी है, तब तक हरियाणवी फिल्मों को दर्शक नहीं मिलने वाले। हरियाणवी फिल्मों के दर्शकों को जोड़ने के लिए उनके साथ फिल्म के माध्यम से कनेक्टिवीटी बढ़ानी होगी।

हम पश्चिमी सिनेमा से ज्यादा प्रभावित : मिश्रा

अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा ने कहा कि हम पश्चिमी सिनेमा से ज्यादा प्रभावित हैं। आने वाली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से रूबरू करना होगा। इसके लिए जड़ में पानी देने की जरूरत है। हर राज्य की अपनी संस्कृति है और उसी पर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि देश और विभिन्न प्रदेश की संस्कृति को दबाने का जो षड्यंत्र चल रहा है, इस तरह के फेस्टिवल उन्हें उजागर करने का काम करेंगे।

पसंद और कल्चर पर रखें फोकस

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा के लोग अच्छी चीजों को तुरंत पकड़ते हैं। ऐसे में फिल्म निर्माता को चाहिए कि वे हरियाणा के लोगों की पसंद और उनके कल्चर को ध्यान में रखकर फिल्म बनाएं। शहरी की बजाय ग्रामीणों परिवेश को ध्यान में रखकर फिल्मों का निर्माण करना होगा। हरियाणा की फिल्मों में खेती और यहां की संस्कृति के दर्शन होने चाहिए।